बाबा के संग संग डबल होली मनाएं

बाबा के संग, डबल होली मनाएं
उमंगों और खुशियों के गीत हम गाएं

पावनता का संग है, पावनता का रंग है
हर ओर फैली, मानवता की तरंग है
जो होली वो होली, नये संकल्प सजाएं
बाबा के संग संग डबल होली मनाएं

नवयुग के निर्माण की रुहानी मस्ती है
नयनों में स्नेह, होठों में मुस्कान बसती है
वाह! मेरा भाग्य हम गीत यही गाएं
बाबा के संग संग डबल होली मनाएं

अपने बाबा से पाया हमने बेपनाह है
हर कदम में भरे पदम हैं, उत्साह है
बनकर सम्पन्न मूर्त्त पहचान नयी बनाएं
बाबा के संग संग डबल होली मनाएं

जब से मीठा बाबा मनमीत हुआ
जीवन उजले रंगों का संगीत हुआ
दिल में बसाकर बाबा को झूमे नाचे गाएं
बाबा के संग संग डबल होली मनाएं

भृकुटी में चमक रहा दिव्य सितारा है
आनन्द स्नेह का बिखरे रंग प्यारा है
अपने मस्तक से इन रंगों को फैलाएं
बाबा के संग संग डबल होली मनाएं

रुहानी दामन है, रुहानी है पिचकारी
ज्ञान और योग के रंग हैं हितकारी
आओ अब विश्व में इन रंगों को उड़ाएं
बाबा के संग संग डबल होली मनाएं
उमंगों और खुशियों के गीत हम गाएं